न्यूज डायरी

नवाज शरीफ को गंभीर हृदय रोग, लंदन में चल रहा इलाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंदन में इलाज करा रहे हैं, और उन्हें एक गंभीर हृदय रोग का पता चला है। उनका स्कैन कराया जाएगा। उनके निजी चिकित्सक ने यह बात कही। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एक ट्वीट में डॉक्टर अदनान खान ने गुरुवार को कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की लंदन के रॉयल ब्रॉम्पटन ऐंड हेरफील्ड हॉस्पिटल में कार्डियोवैस्कुलर जांच की गई। वह जटिल कोरोनरी आर्टरीह्स्केमिक हृदय रोग से ग्रसित हैं। कार्डियक परफ्यूजन का स्कैन किया जाएगा।' शरीफ अपनी हृदय और हेमटोलॉजी जटिलताओं के लिए कई परीक्षणों से गुजर रहे हैं, क्योंकि डॉक्टर उनकी कम प्लेटलेट काउंट के कारण के निदान में जुटे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ सरकार और अदालतों द्वारा चिकित्सा आधार पर विदेश यात्रा की अनुमति दिए जाने के बाद 19 नवंबर को अपने भाई शहबाज शरीफ के साथ लंदन पहुंचे।

पीएम इमरान खान के भांजे को अस्पताल पर हमले के मामले में अग्रिम जमानत मिली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के भांजे को एक अस्पताल में हुए दंगे में कथित भूमिका के मामले में अग्रिम जमानत मिल गई है। पंजाब प्रांत में स्थित हृदय के अस्पताल पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में 11 दिसंबर को सैकड़ों की संख्या में वकीलों ने धावा बोला था और लूटपाट की थी। इस दौरान कम से कम पांच मरीजों की जान चली गई थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, इस घटना के सिलसिले में पिछले हफ्ते इमरान खान के भांजे हसन नियाजी के घर पर छापेमारी की गई थी। लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं लगे थे। इस दौरान उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दे दिया था। वकीलों ने कहा कि दो हफ्ते पहले एक साथी वकील के साथ चिकित्सकों ने मारपीट की थी, उसी का बदला लेने के लिए उन्होंने चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों पर हमला किया। टीवी पर दिखाए गए फुटेज में नियाजी भी हमलावर वकीलों में नजर आए। नियाजी खुद भी वकील हैं।

'व्यवसायिक शिक्षा का एक मॉडल' तैयार कर रहा है एनसीईआरटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच व्यवसायिक शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने के कार्यक्रम के तहत एनसीईआरटी 'व्यवसायिक शिक्षा का एक मॉडल' तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक ऋृषिकेष सेनापति ने 'भाषा' को बताया, '' भारत और दक्षिण कोरिया पाठ्यक्रम विकास, विशेष शिक्षा तथा शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ा रहे हैं तथा अपने अपने अनुभवों को साझा कर रहे हैं। '' उन्होंने बताया कि दक्षिण कोरिया का एक शिष्टमंडल इन दिनों भारत आया हुआ है और इस बारे में आगे चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा, '' हमारा मकसद व्यवसायिक शिक्षा का एक मॉडल तैयार करना है ताकि पूरे देश के लिये पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया जा सके । '' सेनापति ने कहा कि व्यवसायिक शिक्षा के क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने काफी काम किया है और इस संबंध में हम उनके अनुभव साझा कर रहे हैं।

भारत–चीन सीमा वार्ता में सीमा के निर्धारण, सीमा प्रबंधन पर होगा फोकस : चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। भारत–चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच नयी दिल्ली में सीमा मुद्दे पर दो दिवसीय वार्ता में सीमा के निर्धारण, सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बातचीत होगी। चीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बारे में बताया।शनिवार को शुरू हो रही सीमा वार्ता में चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री वांग यि करेंगे, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने यहां मीडिया को बताया कि चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग 20–21 दिसंबर को डोभाल के साथ सीमा वार्ता के 22 वें दौर की चर्चा करेंगे। गेंग ने कहा, ''हमारी वार्ता और रणनीतिक संवाद के लिए विशेष प्रतिनिधि वार्ता मुख्य जरिया और महत्वपूर्ण मंच है।

भारत का विरोध करने वाली अमेरिकी सांसद से नहीं मिले विदेश मंत्री

मीटिंग कैंसल

कश्मीर को समझते नहीं हैं और अपनी राय पहले ही बना चुके हैं, उनसे बात करने का कोई फायदा नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच कुछ अहम मुद्दों पर बातचीत के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों यूएस दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले अमेरिकी नेताओं के लिए कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल से मुलाकात करने से इनकार कर दिया है। प्रमिला ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की आलोचना की थी।

विदेश मंत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जो लोग जम्मू–कश्मीर की स्थिति समझने में सक्षम नहीं हैं उनसे बात करना चाहिए इसलिए हमने कई सांसदों समेत प्रमिला जयपाल से भी न मिलने का फैसला किया है। मैं उन लोगों से मिलना चाहता हूं जो कि खुले मन से समस्याओं पर बात करना चाहते हैं। जो लोग पहले से ही अपनी राय बना चुके हैं, उनसे बात करने का कोई फायदा नहीं है।

गौरतलब है कि जयपाल ने अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया था जिसमें जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने का विरोध किया गया था। प्रस्ताव में कहा गया था कि कश्मीर में सभी प्रतिबंधों को तुरंत हटा लिया जाना चाहिए। भारत सरकार का कहना है कि पाकिस्तान हमलों के फिराक में है और वह जम्मू–कश्मीर की शांति भंग करना चाहता है, इस लिहाज से अभी कुछ प्रतिबंध जरूरी हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट में आई एक खबर में कहा गया है कि जयशंकर ने इस हफ्ते कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्यों के साथ अपनी मुलाकात एकाएक ही रद्द कर दी क्योंकि अमेरिकी सांसदों ने जयपाल को बैठक में शामिल नहीं करने की उनकी मांग खारिज कर दी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जयशंकर प्रतिनिधि सभा की विदेशी मामलों के अध्यक्ष एलियट एल एंजेल, समिति के शीर्ष रिपब्लिकन सदस्य माइकल मैककौल और अन्य अमेरिकी सांसदों से मिलने वाले थे जिनमें जयपाल भी शामिल थीं।

जयपाल ने कहा, दुखद है मीटिंग रद्द होना: प्रमिला जयपाल ने जयशंकर के इस फसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मीटिंग का कैंसल होना बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत किसी की नहीं सुनना चाहता है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी जयशंकर के इस फैसले की आलोचना की और कहा कि यह बीजेपी सरकार की राजनीतिक विफलता है।

पाक पर जयशंकर का निशाना

भारत और अमेरिका ने मिलकर कहा है कि पाकिस्तान को आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई को तत्काल सुनिश्चित करना चाहिए। दोनों देशों ने कहा कि पाकिस्तान मुंबई और पठानकोट हमलों समेत सीमापार से हुए आतंकी हमलों के दोषियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करे।

सजा से पहले मुशर्रफ की मौत तो शव को घसीटकर चौराहे पर टांग दो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ को एक विस्तृत फैसले में मौत की सजा सुनाने वाली पाकिस्तान की विशेष अदालत ने गुरुवार को एक बार फिर बेहद अजीबोगरीब बयान दिया है। अदालत ने कहा है कि यदि मुशर्रफ को फांसी दिए जाने से पहले उनकी मौत हो जाती है तो उनके शव को इस्लामाबाद के सेंट्रल स्क्वायर पर घसीटकर लाया जाए और तीन दिन तक लटकाए रखा जाए।

मंगलवार को मुशर्रफ को मौत की सजा सुनाने वाली तीन सदस्यीय पीठ के प्रमुख और पेशावर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वकार अहमद सेठ ने 167 पन्नों का विस्तृत फैसला लिखा है। उन्होंने लिखा कि फांसी दिए जाने से पहले मुशर्रफ की मौत होने पर भी पूर्व राष्ट्रपति को फांसी पर लटकाया जाना चाहिए।

सैन्य शासक रहे परवेज मुशर्रफ को मौत की सजा दिए जाने से पाकिस्तानी सरकार और सेना दोनों ही नाराज हैं। सेना ने कहा था कि एक ऐसा शख्स जो पाकिस्तान का राष्ट्रपति था और जिसने देश के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं, उसे फांसी की सजा देना लोकतांत्रिक नहीं है। वहीं पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह न्यायाधिकरण के श्मानसिक रूप से अस्वस्थश प्रमुख को हटाने के लिए उच्चतम न्यायिक परिषद का रुख करेगी।

2015 के प्रस्ताव को मौजूदा स्वरूप में नहीं अपना सकतेः श्रीलंका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने कहा कि वह देश में तीन दशक के दौरान चले गृहयुद्ध के समय हुए कथित युद्ध अपराधों को लेकर 2015 के संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के प्रस्ताव का उसके मौजूदा रूप में अनुपालन नहीं कर सकते। पूर्ववर्ती सिरिसेना सरकार इस प्रस्ताव की सहप्रायोजक थी। राजनीतिक स्वायत्तता की तमिलों की मांग पर टिप्पणी करते हुए राजपक्षे ने गुरुवार को कहा कि बहुमत की सहमति के बिना सत्ता का हस्तांतरण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, किसी भी तरह के सत्ता साझेदारी के राजनीतिक समाधान को लागू करना संभव नहीं है।

ट्रंप ने कहा, जल्द से जल्द चलाया जाए महाभियोग, सबूत नहीं इसलिए कर रहें देरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति हैं जो कि महाभियोग का सामना कर रहे हैं। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने सत्ता के लिए पद और शक्ति का दुरुपयोग किया है।

बुधवार को निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में वोटिंग हुई और ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पारित हो गया। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि डेमोक्रैट को जो करना है जल्दी करें। उन्होंने कहा कि लगता है कि डेमोक्रैट ट्रायल करवाना ही नहीं चाहते हैं।

डॉनल्ड ट्रंप ने कहा, श्मुझ पर तत्काल महाभियोग चलाया जाए।श उन्होंने कहा कि डेमोक्रैट्स के पास उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं इसीलिए वे महाभियोग में देरी कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि नैन्सी पेलोसी डर रही हैं कि कहीं उनके ही करप्ट नेता न फंस जाएं।

वहीं डेमोक्रैट्स की तरफ से कहा गया कि महाभियोग के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि ट्रंप के धब्बे मिटाए नहीं जा सकते।

सेनेट में रिपब्लिकन का दबदबा

ट्रंप को अब संसद के उच्च सदन सेनेट में महाभियोग की प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा जहां उनकी पार्टी रिपब्लिकन का मजबूत बहुमत है। ऐसे में उम्मीद कम ही है कि सेनेट में महाभियोग प्रस्ताव पास हो। बता दें कि 4 महीने पहले एक विसलब्लोअर ने ट्रंप पर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच के लिए यूक्रेन पर दबाव का आरोप लगाया था।

ट्रंप पर यह है आरोप

ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में संभावित प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन समेत अपने घरेलू प्रतिद्वंद्वियों की छवि खराब करने के लिए यूक्रेन से गैरकानूनी रूप से मदद मांगी।

आतंकी वित्तपोषण मामले में हाफिज सईद के खिलाफ लाहौर में सुनवाई शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। मुंबई आतंकी हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद के खिलाफ बहुप्रतीक्षित सुनवाई यहां शुक्रवार को शुरू हुई और आतंकवाद निरोधक अदालत में एक गवाह ने उसके खिलाफ गवाही दी। इस अदालत ने उसे आतंकी वित्तपोषण के एक अन्य मामले में भी दोषी पाया है। सईद पर अदालती कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है। लाहौर में आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) ने 11 दिसंबर को सईद और उसके तीन प्रमुख सहयोगियों हाफिज अब्दुल सलाम बिन मुहम्मद, मुहम्मद अशरफ और जफर इकबाल को आतंकी वित्तपोषण के आरोप में दोषी ठहराया था। अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद पीटीआई–भाषा को बताया, "पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने आतंकवाद निरोधक अदालत में एक गवाह को प्रस्तुत किया, जिसने आतंकी वित्तपोषण में सईद और उसके तीन साथियों के खिलाफ गवाही दी।" सईद और उसके साथियों को सख्त सुरक्षा के बीच एटीसी में लाया गया और सुनवाई के दौरान पत्रकारों को अदालत में आने की इजाजत नहीं दी गई।